नास्टमा कम्प्युटर
इन्जिनियरिङ,
बिसिए, बिबिए
र सिभिल
इन्जिनियरिङका साथै
अब MBA पनि।
नास्ट कलेज
धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक
भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक ०४ वि.सं. २०८२ सावन ०४ गते अँट्वार थारु सम्वत (२६४८) [Sunday 20 Juny 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

कैलालीमे लागु औषधके अवस्था भयवाह

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३ सावन । कैलाली जिल्लामे लागु औषध दुर्व्यशनीके अवस्था भयवाह बन्टी गैल डेखल बा ।

जिल्ला प्रहरी कैलालीके तथ्याङकमे अनुसार कैलाली जिल्लामे लागु औषध दुर्व्यशनीके अवस्था गैल बरसके तुलनामे यी बरस झन भयवाह बनल डेखल हो । जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीके प्रहरी नायव निरिक्षक दर्शन खडकाके अनुसार गैल बरसके तुलनामे यी बरस अवैध लागु औषधमे पक्राउ परुइयाके सख्या बह्रल बटैलै । आर्थिक बर्ष २०८०/०८१ सालमे ४४७ जाने पक्राउ परलमे यी आर्थिक बर्ष २०८१/०८२ सालके असार २४ गतेसम ७२० जाने पक्राउ परल उहाँ बटैलै ।

उहाँ कहलै, आर्थिक बर्ष २०८०/०८१ सालमे जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली ओ मातहत समेतमे जम्मा १७ सय ३३ ठो मुद्दा दर्ता हुइलमे लागु औषध सम्बन्धी ३ सय १५ ठो मुद्दा दर्ता हुके ४ सय २० जाने पुरुष ओ २७ जाने महिला करके जम्मा ४ सय ४७ जनहनहे पक्राउ करके अनुसन्धान कैगिल बा । यी अवधीमे ३१ किलो ७५३ ग्राम चरेश, ३१३ ग्राम ६२९ मिलिग्राम खैरो हिरोईन, ८५ ट्यावलेट नाइट्राभेट, २३० ट्यावलेट स्पास्मो, ९६ प्रि. गाभा ओ २ किलो गाजा बरामद करल रहे ।

ओस्टेक करके आर्थिक बर्ष २०८१/०८२ सालके असारसम जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली ओ मातहत समेतमे जम्मा १९ सय ६६ ठो मुद्दा दर्ता हुइलमे लागु औषध सम्बन्धी ४ सय ५७ ठो मुद्दा दर्ता हुके ६ सय ८० जाने पुरुष ओ ४० जाने महिला करके ७२० जनहनहे पक्राउ करके अनुसन्धान कैगिल प्रहरी नायव निरिक्षक खडका बटैलै ।

यी अवधिमे ७३ किलो ७४३ ग्राम ४५० मिलिग्राम चरेश, ७०१ ग्राम ९३० मिलिग्राम खैरो हेरोईन, ३ किलो ८७२ ग्राम १५० मिलिग्राम गाँजा ओ प्रतिबन्धित औषधी नाइट्राभेट, ट्रमाडोल समेट अन्य ७ हजार १५९ ट्याबलेट बरामद करल उहाँ जनैलै ।

प्रमुख जिल्ला अधिकारी गोगनबहादुर हमाल लागु औषध नियन्त्रण प्रहरीके केल्ह नैहोके यकर नियन्त्रण कैना सक्कु जानेक दायित्व रहल बटैठै । नियन्त्रण कैना सबसे ढेर डाई बाबाके हो । छावा छाईके का करटै । कहाँ जाइटै किहीसे भेट करटै ध्यान डेना जरुरी बा ।

उहाँ कहलै, जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली लागु औषध नियन्त्रण कैना कार्यविधि बनाके कार्यान्वयनमे जाइटा । यिहीहे कार्यान्वयन कैना वडा वडामे अभियानके रुपमे जाई पर्ना बा ।

लागु औषध नियन्त्रण कैना अभियानके रुपमे लैजैना ओ यूवाहुकनके उत्पादनशिल कामसे जोरना जरुरी बा, प्रजिअ हमाल कहलै ।

लागु औषध ओ सीमा क्षेत्रसे हुइना सामान तस्कारी रोक्ना सुरक्षा निकाय, स्थानीय सरकार ओ जनसमुदायके समन्वय आवश्यक रहल कैलालीके प्रमुख जिल्ला अधिकारी गोगन हमाल बटैले बटै ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश प्रहरी प्रमुख प्रहरी नायव महानिरिक्षक डम्बर बहादुर विक गैल बरसके तुलनामे यी बरसके तथ्याङक हेरेबेर लागु औषध दुर्व्यशनीके समस्या ओस्टे भयवाह रहल, हिरासात, कारागारामे रहल हुकनके अवस्था हेरलेसे ओस्टे पत्ता चल्ना बटैठै । खुला सीमा नाकाके कारण समस्या बा, प्रहरीहुकनहे गस्ती बह्रैना निर्देशन डेहल बा, यम्ने अभिभावक लगायतके भूमिका रहे पर्ना जरुरी रहल उहाँ बटैठै ।

लागु औषध सहित चार जाने पक्राउ

कैलालीके अलग अलग ठाउँसे अवैध लागु औषधसहित चार जाने पक्राउ परल बटैं । कैलालीके धनगढी उ.म.न.पा.३ त्रिनगर पोष्टस्थित जिल्ला डोटी, दिपायल सिलगडी न.पा.३ बैठना बर्ष १९ के दिपेन्द्र नेपालीहेह १ ग्राम ७१० मिलिग्राम लागुऔषध खैरो हेरोइनसहित पक्राउ कैगिल बा ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली ओ प्रहरी चौकी त्रिनगर, कैलालीसे संयुक्त रुपमे खटल प्रहरी टोलीसे नियन्त्रणमे लेके ठप अनुसन्धान कैटी रहल बा ।

ओस्टेक धनगढी उ.म.न.पा.१० सिमलघाटसे भारत लखिमपुर खिरी सुडा बैठना बर्ष २५ के कल्लु रानाहे १ ग्राम ४३० मिलिग्राम लागूऔषध खैरो हेरोइनसहित पक्राउ करले बा । अस्थाई प्रहरी पोष्ट जुगेडा, कैलालीसे खटल प्रहरी टोली नियन्त्रणमे लेहल रहे ।

ओस्टे जानकी गा.पा.४ बेलपुरसे उहे ठाउँ बैठना बर्ष २५ के निरज कठरिया ओ बर्ष २० के अमन बडायकहे २ ग्राम ३१० मिलिग्राम लागूऔषध खैरो हेरोइनसहित पक्राउ कैगिल प्रहरी जनैले बा । जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली ओ इलाका प्रहरी कार्यालय टिकापुर, कैलालीसे संयुक्त रुपमे खटल प्रहरी टोली नियन्त्रणमे लेके थप अनुसन्धान कैटी रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली जनैले बा ।

छाउपडीविरुद्ध अभियान सञ्चालन करना निर्णय

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३ सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेशमे छाउपडी प्रथाजन्य कुरीति तथा जातीय विभेदविरुद्धके आवश्यकतानुसार जनचेतनामूलक कार्यक्रम तथा अभियान सञ्चालन करना निर्णय करले बा ।

मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाहके अध्यक्षतामे बैठल छाउपडी प्रथाजन्य कुरीति उन्मूलन प्रदेश सुपरीवेक्षण तथा निर्देशन समितिके बैठकसे अइसिन निर्णय करल हो । मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रीपरिषद् कार्यालयमे बैठल समितिके बैठकसे सामाजिक कुरीतिविरुद्ध जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन करना सम्बन्धित निकायहे निर्देशन डेना निर्णय करल मुख्यमन्त्रीका प्रेस तथा जनसम्पर्क सल्लाहकार डम्मर बम जानकारी डेलैं ।

छाउपडी गोठमे बैठल अवस्थामे गैलसाता सर्पसे डसके कञ्चनपुरके कृष्णपुर नगरपालिका–२ के २८ वर्षीया कमला आउजी दमाईके ज्यान गैल रहे । उ घटना समेतके गाम्भीर्यताहे मध्यनजर करटि बैठल समितिके बैठकसे छाउगोठ प्रथा उन्मूलन ओ समाजमे डेखाइल सामाजिक विभेद एवम् छुवाछुतयुक्त व्यवहारके नियमन कार्यहे थप प्रभावकारी ढंगसे आगे बह्रैना स्थानीय तह ओ जिल्ला प्रशासन कार्यालयहे निर्देशन डेना निर्णय करल बा ।

छाउपडी प्रथाजन्य कुरीति उन्मूलन नीति तथा कार्ययोजनाके प्रभावकारी कार्यान्वयनके सुनिश्चितता करना प्रदेश, जिल्लास्तरीय ओ स्थानीय तह स्तरीय समितिके नियमित बैठक करना ओ अपन क्षेत्रमे नियमित अनुगमन करना निर्णय बैठकसे करले बा ।

लगाइल धान सुखे लागल

कञ्चनपुर, ३ सावन । कञ्चनपुरके अधिकांश क्षेत्रमे लगाइल धान सुखे लागल बा । वर्षा नैहोके लगाइल धान सुखलपाछे कृषक चिन्तित बनल बटैं ।

कञ्चनपुरके शुक्लाफाँटा, कृष्णपुर, लालझाँडी, वेदकोटमे धान सुखे लागल बा । असारमे लगाइल कृषक पानी नैपरके धान सुखे लागल बटैलैं । आकासे पानीके भरमे रोपाइँ करल शुक्लाफाँटा नगरपालिका–१० के कृषक कमला दमाईं छ कट्ठमे लगाइल धान एक महिनासम फेन पर्याप्त पानी नैपरके सुखल दु:खेसो करलैं ।

धान लगाइबेर ट्याक्टरके जोताइ, मलखाद कैके नौ हजारसे ढेर लगानी खेर गैल बटैलैं । अस्टेक ओहे ठाउँके भीम दमाईं आठ कट्ठमे धान लगाइलमे अब्बे सुखल दु:खेसो करलैं । (बाँकी ३ पेजमे)

बाढी र पहिरोबाट सचेत होऔं ।

बाढी र पहिरो आउनुअघि:
❖स्थानीय रेडियो वा अन्य माध्यमबाट मौसमको जानकारी लिऔं,
❖खोला, नदी तथा जोखिमपूर्ण ठाउँबाट सुरक्षित स्थानमा जाऔं,
❖घरको नजिक पहिरो खस्न सक्ने ठाउँ भए सावधानी अपनाऔं,
❖आपतकालीन झोला (प्राथमिक उपचार सामग्री, टर्चलाइट, खानेकुरा, लुगाफाटालगायत) तयार राखौं,
❖जोखिममा परेका बालबालिका, वृद्धवृद्धा र अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूलाई प्राथमिकता दिऔं ।

बाढी र पहिरो आएमा:
❖अनावश्यक हिडडुल नगरौं,
❖सुरक्षित स्थानतर्फ जाऔं,
❖विजुलीका लाइन वा पोलहरूबाट टाढा रहौं,
❖खोलानाला सुरक्षित तवरले पार गरौं,
❖अफवाह नफैलाऔं, सत्य सूचना मात्र आदान–प्रदान गरौं,
❖घाइते वा फसेका व्यक्तिको उद्धारमा सहयोग गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित (९८४८४९४५१८)**
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

........सम्पादकीय

महिला हिंसा न्यूनीकरण करी

महिला पुनर्स्थापना केन्द्र (ओरेक)से अप्रिलसे जुन, २०२५ समके अवधिमे सुदूरपश्चिम प्रदेशके कैलाली जिल्लामे केल्ह यौनहिंसाके घटना कुल लैङ्गिक हिंसाके ३६ प्रतिशत रहल तथ्यांकसे बालिका ओ महिलाउप्प हुइना हिंसाके अवस्था गम्भीर रहल स्पष्ट करठ । बालिका उप्पर विद्यालय, घर, जंगलजैसिन सार्वजनिक स्थानमे यौन हिंसा हुइना कहल समाजके सुरक्षा संरचना, शिक्षा प्रणाली, कानूनी संयन्त्र ओ राज्यके नीति सक्कु तहमे कमजोर ओ उदासिनता रहल पुष्टि हुइठ ।

ओरेक नेपालसे अप्रिलसे जुन २०२५ समके अबधिमे सुदूरपश्चिम प्रदेशके कैलाली जिल्लासे लैङ्गिक बिभेदमे आधारित हिंसाके कुल २२ ठो घटना अभिलेखिकरण करल रहे । ओम्नेसे यौन हिंसा ३६ प्रतिशत अर्थात ८ ठो घटना यौन हिंसाके रहल बा । जौन अन्तर्गत बलात्कार ६३ प्रतिशत (५ ठो), यौन दुर्व्यबहार २५ प्रतिशत (२ ठो) ओ बैबाहिक बलात्कार १२ प्रतिशत (१ ठो) घटना रहल बा ।

दस्तावेजिकरण हुइल घटनाहे हेरेबेर अपने घर परिवार, सार्वजनिक स्थल ओ विद्यालय जैसिन सुरक्षित हुइ पर्ना स्थानमे समेत बालिकाहुक्रे बलात्कृत हुइटी रहल अवस्था जग जाहेर बा । समुदायमे घटल बलात्कार जैसिन जघन्य प्रकृतिके अपराधिक घटना प्रायः गुपचुप धारके गाउँमे मिलापत्र कैना ओ जिल्लासम आपुगल घटनाफे टमान तवरके आर्थिक प्रलोभन, चलखेल ओ राजनैतिक दबाबसेफे यैसिन घटना दिनानुदिन बढ्टी गैल विल्लाइठ ।

जबसम हम्रे यैसिन घटनाहे केवल 'घटना'के रूपमे हेरटी रहबी संरचनागत कारणके गहिर विश्लेषण नैकैबी, टबसम यौन हिंसाके समाधान सम्भव नैहो । यी पितृसत्तात्मक सोच, शक्ति संरचना ओ राज्य संयन्त्रमे गहिर रुपमे जरा गारल परिणाम हो, जेम्ने परिवर्तन नैकरटसम, कानूनी सुधार, प्रभावितमैत्री प्रणाली, यौन शिक्षा ओ सामूहिक चेतना सक्कु प्रभावहिन हुई । हिंसाहे सामान्य बनैना पितृसत्तात्मक सोच ओ उहीहे संरक्षण कैना शक्ति संरचनाके गहिर आलोचनात्मक विश्लेषण बिना यथास्थितिमे कौनो सुधार सम्भव नैहो । टबमारे, राज्य, समुदाय, विद्यालय, अभिभावक, मिडिया ओ नागरिक समाज सक्कु जाने मिलके यैसिन हिंसाहे सामान्यीकरण कैना सोच विरुद्ध खडा हुइना जरुरी बा ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ८ कित्ता नं. ७५१ क्षेत्रफल ३३८.६३ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री प्रेमबहादुर साउँदले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिंदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः दशीराम चौधरी — पश्चिमः जनाकुमारी विष्ट
उत्तरः दशीराम चौधरी — दक्षिणः सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

खाद्य सुरक्षाके संवेदनशीलता

विचार
यमुना घले

खाद्य अधिकार मानव अधिकार हो । मानव जीवनके अस्तित्व वनस्पति, जीवजन्तु, जलचर, प्रकृति ओ पर्यावरणबिचके सन्तुलनबिना सहज ओ सम्भव नैहो । तसर्थ खाद्य प्रणालीके विकास करना सक्कु जगत्के लाग अत्यावश्यक ओ लाभदायी अवधारणा हो । जनशक्ति विकासके लाग बच्चा भ्रुणाके रूपमे गर्भमे अइनाअगावे किशोरीके स्वास्थ्य अवस्थासे वृद्धावस्थासमके लाग स्वस्थ खानाके भूमिका रहठ । स्वस्थ खानाके उत्पादन, प्रशोधन, बजारीकरण, भण्डारण ओ उपभोगके सक्कु प्रक्रियाहे दिगो बनैना सुदृढ कृषि तथा खाद्य प्रणालीके स्थापना करना अत्यावश्यक ओ अपरिहार्य होसेकल बा । यी सन्दर्भमे नेपालके संविधानसे खाद्य सुरक्षा, खाद्य अधिकार ओ खाद्य सम्प्रभुत्ताके प्रत्याभूति करल बा । यिहे अनुरूप खाद्य अधिकार तथा खाद्य सम्प्रभुतासम्बन्धी ऐन, २०७५ फेन जारी होसेकल बा । यिहे संवैधानिक प्रावधानहे आत्मसात् करना उत्पादन सम्बन्धहे मिहिन तरिकासे विश्लेषण कैके ओहे अनुरूपके दीर्घकालीन खाकाके साथ कृषि तथा खाद्य प्रणाली विकास करना राज्यके जिम्मेवारी हो । अइसिके सबके लाग व्यावहारिक रूपमे आत्मसात् करे सेक्ना प्रणाली स्थापित करना सैद्धान्तिक प्रस्टता, संघीयतामैत्री नीतिनियम, संरचनात्मक खाका, प्रविधि विकास, बजेट विनियोजन ओ जनशक्ति पदस्थापनके साथे वृत्तिविकास ओ उपभोक्ता सचेतना अत्यन्त आवश्यक बा ।

संवैधानिक मान्यता

भोकके कारण कोइ नैमरि कना संवैधानिक अधिकारके सुनिश्चित करेक लाग कार्यान्वयनके प्रस्ट खाका आवश्यक परठ । यकर लाग सबसे पहिले विशेषतः राज्य तथा सरकारके टमान जिम्मेवार पदाधिकारीमे खाद्य सुरक्षा, खाद्य अधिकार ओ खाद्य सम्प्रभुताके आधारभूत सिद्धान्तमे प्रस्टता हुइना जरुरी रहठ । तत्पश्चात् अन्य सरोकारवालाके संलग्नता ओ साझेदारिताके ढाँचाबारे सहभागितात्मक तरिकासे निर्क्योल करना सहज वातावरण बनठ । विशेषतः चुनावके समयमे टमान राजनीतिक पार्टीसे कृषि तथा खाद्य सुरक्षा सम्बद्ध प्रतिबद्धता अपन घोषणापत्रमार्फत जाहेर करलेसे फेन राज्य ओ सरकारके सञ्चालन करना जिम्मेवारीमे रहिके उ विषयमे प्रस्टताके साथ पहल करल अनुभूति भर कमे करल पाजाइठ । तसर्थ संविधानके मूल मर्ममे टेक्के सुदृढ कृषि तथा खाद्य प्रणाली आजके अपरिहार्यता हो ।

कुछ विषयगत उद्धरण

उद्धरण १: नेपालके ६२ प्रतिशत घरधुरी कृषिमे संलग्न ओ ५६ प्रतिशत कृषकसँग प्रतिपरिवार ०.५ हेक्टर किल जमिन रहल बा । हाल लगभग २६ प्रतिशत जमिन बाँझ या कम उपयोग या कृषि इतरके काममे प्रयोग हुइल बा । कृषिमे संलग्न व्यक्तिमध्ये ७० प्रतिशतसे ढेर महिला बटैं तथापि ३४ प्रतिशत किल महिलाके स्वामित्वमे किल जमिन बा । २०७६ के बजेट वक्तव्यमे सरकार सय रुपियाँमे संयुक्त लालपुर्जा बनाइ सेक्ना कना व्यवस्था करलेसे फेन तत्पश्चात्के कौनो फेन आर्थिक वर्षमे सरकारके ओरसे सारभूत रूपमे अभियानके शैलीमे यी प्रावधानहे कार्यान्वयनमे लैजाइ सेकल नैहो । अन्यथा अधिकांश पुरुष रोजगारीके लाग वैदेशिक भूमिमे रहलमे महिलाके जिम्मामे छोरल कृषिकार्यलहे भूमिउप्परके स्वामित्वसे कृषि उत्पादन तथा उत्पादकत्वमे अर्थपूर्ण योगदान पुगाइ सेक्ना रहे ।

उद्धरण २: नेपाल सरकारसे टमान कारणसे पाछे पारल वर्ग जस्टे महिला, युवा, दलित, प्राविधिक शिक्षा लेहल विद्यार्थीसे सञ्चालन करल स्टार्ट अप वा उद्यमके लाग सहुलियत ऋण उपलब्ध करैना प्रावधान रहल बा । २०७५ के राष्ट्रिय तथ्यांक अनुसार हालसम महिलाके स्वामित्वमे रहल वा सञ्चालन करल व्यवसाय वा उद्यमके संख्या दुई लाख ४७ हजार आठ सय रहल बा । अइसिन उद्यमसे करिब पाँच लाखहे रोजगारी डेले बा तथापि ओइसिन उद्यमहुकनके वित्तीय कर्जामे सीमित किल पहुँच रहल बा । यकर साथे युवासे पारिवारिक उत्प्रेरणा पाइ नैसेक्ना ओ बैंकसे प्राप्त उपलब्ध कर्जाके मात्रासे उद्यम स्थापना ओ मूल्य शृंखलामे आवश्यक लगानी करे नैसेक्ना युवा कृषिक्षेत्रसे पलायन हुइना क्रम बह्रल बा ।

उद्धरण ३: विपन्नता, रोजगारी ओ खाद्य सुरक्षा एकऔरेक परिपूरक हो । उदाहरणके लाग टमान नदी किनारमे बस्ती बैठल माझी मुसहर बोटे समुदायके मुख्य आम्दानीके स्रोत माछा हो । उहाँहुकनके पुस्तौनी ज्ञान ओ अभ्यासके आधारमे वर्षाके करिब तीन महिना माछाके अन्डा परना ओ भुरा निकरना समय रहल ओरसे माछा नैमारके अन्य ज्यालादारी काम खोजे जैठैं । औरेओर कुछ उद्योगसे निक्रल रसायन नदीमे मिलाके माछाके अन्डा, भुरा मरना करल कारण नदीमे आश्रित समुदायके जीविकोपार्जनमे आघात पुगल टे बा कुछ मात्रामे मिल्ना ओइसिन विषाक्त माछा सहरी उपभोक्ताके लाग हानिकारक हुइना अवस्था रहल बा । अब्बे संघीय व्यवस्थामे स्थानीय सरकारके जिम्मामे रहल फोहोर व्यवस्थापनसे अधिकांश स्थानमे वनजंगल ओ नदीमे विसर्जन करना करल पाजाइठ । यकर समग्र असर खाद्य स्वस्थता ओ सुरक्षामे कुछ परल बा, ओकर आकलन हुइ सेकल नैहो ।

> सामान्यतया कृषि ओ खाद्य प्रणालीहे एकदम साँकिर दायरामे ढरना बुझके विशेषतः युवावर्गके आकर्षण घट्ना क्रममे डेखाइठ । कृषि सम्बद्ध अनुसन्धान, अन्वेषण, नवप्रवर्तनके साथे उत्पादन पूर्वसे उपभोगसमके शृंखलाहे हेरना हो कलेसे युवावर्गहे आकर्षित करना मार्ग प्रशस्त हुइना रहे । यकर साथे कृषि ओ खाद्य प्रणालीके आर्थिक, सामाजिक, वातावरणीय, राजनीतिक, ओ प्राविधिक पक्षहे शासकीय पद्धतिके अभिन्न पाटो मानके नीति तथा कार्यक्रम उन्मुख करे सेकेपरना रहे, विडम्बना ओइसिन हुइ सेकल नैहो । सब विषयगत मन्त्रालय ओ तहगत सरकारबिच अर्थपूर्ण समन्वय ओ सहकार्य हुइ नैसेक्ना ना उत्पादकसे फाइदा पाइ सेक्ले बटैं, ना टे उपभोक्ता स्वस्थ ओ ताजा उपज सहज तरिकासे पाइ सेक्ले बटैं । यिहिनसे मूल्य अभिवृद्धिके प्रयास (जस्टे प्रशोधन, प्याकेजिङ, लेबलिङ, भण्डारण, विविधीकरण, बजारीकरण) मे प्रविधि तथा यान्त्रीकीकरणमार्फत ऊर्जाके खपत करे सेकल युवा तथा स्थानीयहे रोजगारी डेनाके साथे उत्पादन चक्रके सब सरोकारवालाबिचके अन्तरसम्बन्धहे स्थापित करे सेक्ना पक्षहे समोटे सेकल नैहो ।

उद्धरण ४: सामान्य परिस्थितिमे खाद्य सुरक्षाके अवस्था सुधारेपरना नेपालके हालके परिवेशमे आकस्मिक विपत्के समयमे टे अभिन खाद्य शृंखलामे गडबडी अइना करल तथ्य हमार सामु प्रस्ट बा । उदाहरणके रूपमे हेरना हो कलेसे कोभिड–१९ के समयमे ८७ प्रतिशत परिवारके खाद्य सुरक्षामे कौनो ना कौनो तवरसे प्रभाव परले रहे । उ समयमे क्वारेन्टिनमे स्वस्थ खानाके लाग व्यवस्थापन करना मुख्य चुनौती टे पलि रहे, उबाहेक फेन कृषि श्रमिक, अनौपचारिक, पर्यटन ओ मनोरञ्जन क्षेत्रमे कार्यरत व्यक्ति, शिक्षामे कम पहुँच रहल महिला घरमूली रहल ओ विपन्न घरधुरीमे और ढेर प्रभाव परल रहे । यिहिनसे का इंगित करठ कलेसे टमान कारणसे कमजोर अवस्थामे रहल समुदायके लाग राज्यके ओरसे खाद्यान्न सञ्चिति ओ वितरणके व्यवस्था सुधार करेपरना पक्ष और संवेदनशील रहल बा ।

उद्धरण ५: भोकमरीके समग्र अवस्थाहे हेरना हो कलेसे नेपाल मध्यमस्तरमे रहल बा मने पोषणके वास्तविक अवस्था हेरना हो कलेसे ५६ प्रतिशत जनसंख्यासे किल न्यूनतम पोषणयुक्त खानाके उपभोग करल अवस्था बा । अइसिके प्रदेशके हिसाबसे कर्णाली, भूगोलके अनुसार ग्रामीण क्षेत्र, धार्मिक समुदायमध्ये मुस्लिम ओ अन्नभण्डार मानल तराईमे महिलाहुकनके अवस्था पोषणके कारण और नाजुक डेखाइल बा । यिहिनसे का बुझजाइठ कलेसे खाद्य सुरक्षा सबके संवैधानिक अधिकार हो कना मान्यता रटिरटि फेन कुछ परिवार अइसिन अधिकारके उपयोग करनासे वञ्चित हुइल विषम् अवस्था बा ।

उद्धरण ६: विश्वव्यापीकरणसे ज्ञान, सिप, प्रविधि ओ पुँजीके विस्तार तथा उपयोग करेक लाग सहज पारडेले बा । अइसिके स्रोतके पहिचान, विकास ओ उपयोग करना क्रममे विशेषतः आनुवांशिक स्रोतके दोहन, अनुपयुक्त प्रयोग ओ व्यापारिक होडबाजीसे खेतीपाती करटि आइल वा जंगली अवस्थामे रहल कुछ खाद्य वस्तु लोप हुइना, अत्यधिक ओ अनाधिकृत दोहन हुइना तथा बजारमुखी खेतीप्रणालीके कारण स्थानीय स्रोत, मौलिक ज्ञान ओ सिप लोप हुइटि बा । यिहिनसे व्यापारिक कम्पनी ओ विकसित देशके परिवेश सुहैना कृषि तथा खाद्य प्रणाली स्थापित हुइटि बा । अइसिके समग्र कृषि तथा खाद्य प्रणाली सम्बद्ध स्रोत ओ ज्ञान सिपमार्फत शक्ति केन्द्रीकृत हुइलि बा । यिहिनसे नेपाल जैसिन जैविक विविधतामे आधारित मौलिक ज्ञान सिपसे भरिपूर्ण देशके नागरिकके खाद्य सुरक्षा, खाद्य अधिकार ओ खाद्य सम्प्रभुत्तामे थप चुनौती थपल बा ।

सैद्धान्तिक अस्पष्टता

सबसे प्रमुख पक्ष कलेक सैद्धान्तिक प्रस्टता नैहुइना रहल बा । संविधानके धारा ३६ से खाद्य सुरक्षा, खाद्य अधिकार ओ खाद्य सम्प्रभुताके साथे धारा ४२ से समावेशिता ओ धारा ५१ से भूमि सुधारके बारेमे प्रस्ट उल्लेख करल बा । तथापि उत्पादनके प्रमुख स्रोत भूमिहे व्यक्तिके मौलिक अधिकार मन्ना कि उत्पादनके स्रोत मन्ना कना पक्ष अभिन प्रस्ट हुइल नैडेखाइठ । अस्टेक उत्पादन, आयात ओ निर्यात तथा खाद्य सहायताबिचके तालमेल कैसिन हुइपरना कना विषयमे घनीभूत बहस हुइ सेकल नैहो । यिहिनसे राज्यके ओरसे खाद्य सुरक्षाके योजना बनाके कौन सिद्धान्तमे आधारित होके विकासके खाका बनैना कना दृष्टिकोण पुगैना सहज हुइल नैडेखाइठ । अइसिके दृष्टिकोणमे प्रस्टता नैरहल कारण सालबसाली बनैना कार्यक्रमसे दीर्घकालीन समाधानके डगर पहिल्याइ सेकल नैहो ।

कृषि ओ खाद्य प्रणालीके समग्र बुझाइ

कृषि तथा खाद्य प्रणालीके दिगो ओ समावेशी सोचमे आधारित विकास करना देशके भूगोल, उत्पादन सम्भाव्यता, जातजाति *(बाँकी ३ पेजमे)*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरुण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३११२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यलिय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

सरकारके आय-व्यय

बजेट खर्च १५ खर्ब २३ अर्ब, आम्दानी १२ खर्ब १९ अर्ब

काठमाडौं, ३ सावन । गैल आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मे सरकारके आम्दानी ओ खर्च दुनु कमजोर डेखाइल बा । महालेखा नियन्त्रक कार्यालयके तथ्यांक अनुसार वार्षिक लक्ष्यके तुलनामे सरकारके आय ८२ ओ व्यय ८१ प्रतिशतमे खुम्चल हो ।

गैल आवके लाग सरकार रू १८ खर्ब ६० अर्ब ३० करोड ३० लाखके बजेट नन्ले रहे । असार समान्तसममे रू १५ खर्ब २३ अर्ब १० करोड ६८ लाख खर्च हुइल बा । जोन वार्षिक लक्ष्यके ८१ दशमलव ८७ प्रतिशत बराबर हो ।

चालु शीर्षकमे गैल आवके लाग रू ११ खर्ब ४० अर्ब ६६ करोड ४५ लाख विनियोजन हुइलमे ८५ दशमलव ९५ प्रतिशत अर्थात् रू नौ खर्ब ८० अर्ब २८ करोड २१ लाख खर्च हुइल बा ।

अस्टेक, पुँजीगत शीर्षकमे रू तीन खर्ब ५२ अर्ब ३५ करोड ४० लाख विनियोजन हुइलमे ६३ दशमलव दुई प्रतिशत अर्थात् रू दुई खर्ब २२ अर्ब ६८ करोड २३ लाख खर्च हुइल बा ।

वित्तीय व्यवस्थापन शीर्षकमे रू तीन खर्ब ६७ अर्ब २८ करोड ४५ लाख विनियोजन हुइलमे ८७ दशमलव १४ प्रतिशत अर्थात् रू तीन खर्ब २० अर्ब चार करोड २४ लाख बराबर खर्च हुइल महालेखा नियन्त्रक कार्यालय जनैले बा ।

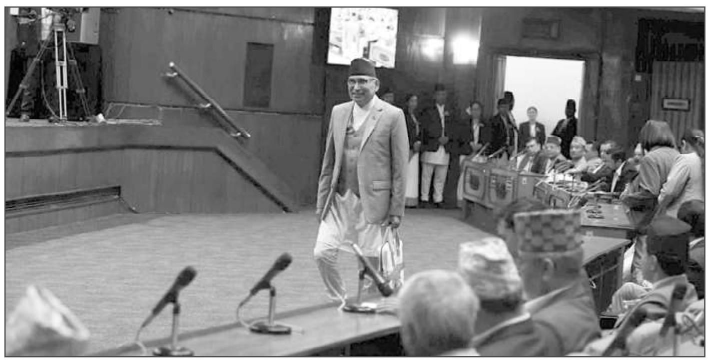

सरकारके आम्दानी फेन लक्ष्यसे एकडम कम बा । गैल आवके लाग रू १४ खर्ब ७१ अर्ब ६२ करोड ९५ लाख प्राप्ति हुइना लक्ष्य ढरल सरकारसे ८२ दशमलव ८८ प्रतिशत अर्थात् रू १२ खर्ब १९ अर्ब ७१ करोड ८६ लाख बराबर किल असुली करल बा । अइसिके सरकारके आम्दानी ओ खर्चके अवस्था तुलना कैके आयसे रू तीन खर्ब तीन अर्ब ३८ करोड ढेर व्यय हुइल बा ।

राजस्व संकलनओर गैल आवके लाग ढरल रू १४ खर्ब १९ अर्ब ३० करोड ३० लाख बराबरके लक्ष्यमे ८३ दशमलव ०६ प्रतिशत किल प्रगति हुइल बा । सरकार रू ११ खर्ब ७८ अर्ब ८२ करोड बराबर किल राजस्व उठाइ सेकल हो । उमध्ये कर राजस्व वार्षिक लक्ष्यके ८१ दशमलव ७५ प्रतिशत अर्थात् रू १० खर्ब ४९ अर्ब ८७ करोड ५४ लाख ओ गैरकर राजस्व ९५ दशमलव ४५ प्रतिशत अर्थात् रू एक खर्ब २८ अर्ब ९४ करोड बराबर किल संकलन हुइल महालेखा नियन्त्रक कार्यालयके तथ्यांकसे डेखाइठ ।

अस्टेक, वैदेशिक अनुदान प्राप्तिमे ४४ दशमलव ९७ प्रतिशत किल प्रगति डेखाइल बा । गैल आवके लाग रू ५२ अर्ब ३२ करोड ६५ लाख वैदेशिक अनुदान लेना लक्ष्य रहल सरकार लक्ष्यके आधासे कम अर्थात् रू २३ अर्ब ५२ करोड ८७ लाख बराबर किल उठाइ सेकल हो ।

अइसिके आय-व्ययके अवस्था हेरलेसे सरकार दुई चो लक्ष्य संशोधन कैके फेन हासिल करे नैसेक्ना डेखाइल बा । मध्यावधि समीक्षामार्फत गैल माघमे पहिलचो ओ चालु आर्थिक वर्ष २०८२/८३ के बजेट नन्टि गैल जेठमे सरकार दोसरचो आय-व्ययके अनुमान घटैले रहे ।

सरकारके गैल जेठके अनुमानअनुसार गैल आवमे सुरुवाती वार्षिक विनियोजनके ८९ दशमलव चार प्रतिशत अर्थात् १६ खर्ब ६२ अर्ब ३७ करोड बजेट खर्च हुइना मानल रहे । जबकि वास्तविक खर्च डेढ महिना आगेके लक्ष्यसे करिब रू एक खर्ब ४० खर्बसे खुम्चल बा ।

सुरुवाती विनियोजनके अनुपातमे चालु खर्चओर ८८ दशमलव पाँच, पुँजीगतओर ८४ दशमलव चार ओ वित्तीय व्यवस्थाओर ९७ दशमलव छ प्रतिशत रहना संशोधित अनुमान सरकारके गैल जेठमे करल रहे । अस्टेक, राजस्व परिचालन रू १२ खर्ब ६७ अर्ब ३९ करोड रहना दोसरचोके अनुमान रहे ।

अन्तर्राष्ट्रिय

भारतमे बाज लागके कारण ३३ जहनके मृत्यु

काठमाडौं, ३ सावन । पूर्वी भाारतमे मनसुनी आँधीके क्रममे बाज मारके (चट्याङ् पर) कम्तीमे ३३ जहनके मृत्यु हुइनाके साथे दर्जनौं घाहिल हुइल अधिकारी बटैले बटैं ।

बिहारमे बुध ओ बिफके रोज आइल भीषण आँधीके क्रममे अइसिन घटना घटल भारतके विपद् व्यवस्थापन विभाग विज्ञप्तिमार्फत जानकारी करैले बा । विभागके अनुसार खुला ठाउँमे काम करटिरहल प्रायः किसान ओ मजदुर चट्याङके कारण प्रभावित हुइल बटैं । पटनाके कुछ भागमे अभिन भारी वर्षा ओ चट्याङके पूर्वानुमान करल बा ।

बिहार राज्यके विपद् व्यवस्थापन मन्त्री विजय कुमार मण्डलहे उदृत करटि एएफपी सम्बन्धित जिल्ला अधिकारीहे चट्याङके चेतावनीपाछे सावधानी अपनैना सुचना जारी करना निर्देशन डेहल जनाइल बा ।

पटना सरकार चट्याङ्से ज्यान गुमाइल परिवारहे ४० लाख रुपैयाँ क्षतिपूर्ति डेना घोषणा करले बा । पटना सरकारके अनुसार सन् २०२३ मे २७५ ओ सन् २०२४ मे कम्तिमे २४३ जहनके चट्याङके कारण मृत्यु हुइल रहे ।

बिहारसहित भारतके पूर्वी क्षेत्र वार्षिक बाढके जोखिममे बा जहाँ मनसुनके समयमे कयौंके ज्यान जैनाके साथे लाखौं मनै विस्थापित हुइना करल जनाइल बा ।

खाद्य सुरक्षाके...

विशेष सांस्कृतिक मान्यता ओ जलवायु अनुकूलनके साथे व्यापारिक दृष्टिकोणमे आधारित कृषि तथा खाद्य प्रणाली विकास हुइ नैसेक्ना औरे विडम्बना हो । खाद्य सुरक्षाहे प्राविधिक जिम्मेवारीके रूपमे हल्का तरिकासे बुझ्के उत्पादन प्रक्रियाहे चुस्त दुरुस्त ढरे नैसेक्लेसे फेन आयातमे आधारित आपूर्ति करे सेक्ना, विप्रेषणसे घरव्यवहार चलाइ सेक्ना ओ भवितव्य परल वैदेशिक सहायता मागे सेक्ना मनस्थिति हाबी होके कृषि ओ खाद्य प्रणालीके समग्र बुझाइ बनैनाओर सचेतता पुगल नैमिलठ । यिहिनसे सरकारके ओरसे करना लगानीसे बहुगुणन प्रभाव पारे सेकल नैहो ।

बाह्य प्रभावबारे सतही आकलन

देशभित्तरके अनेकन आन्तरिक कारणके अलावा बाह्य कारण फेन ओत्रे जबरदस्त रहल बा । उदाहरणके लाग जलवायु परिवर्तनके कारण सिर्जित संकट हमारसामु प्रस्ट रहल बा । तथापि टमान छलफलके भाष्य कलेक जलवायु परिवर्तनमे सीमित हुइल पाजाइठ । अइसिके बनल भाष्यसे निर्देशित करल नीति तथा कार्यक्रम फेन विशेषतः अनुकूलनमे आधारित हुइना अवस्था रहल बा । यिहिनसे कृषि ओ खाद्य सुरक्षाजैसिन संवेदनशील विषयमे समेत दीर्घकालीन सोचके बारेमे सार्थक बहस हुइ सेकल नैहो । यिहिनसे टमान मेरिक युद्धके कारण खाद्य बजार, आन्तरिक उद्योग, बह्रल मूल्य, श्रमिकके बेरोजगारी जैसिन अनेकन पक्षहे उजागर करना चुकल अवस्था बा ।

कृषि ओ खाद्य शासन पद्धति

सामान्यतया कृषि ओ खाद्य प्रणालीहे एकदम साँकिर दायरामे ढरना बुझ्के विशेषतः युवावर्गके आकर्षण घट्ना क्रममे डेखाइठ । कृषि सम्बद्ध अनुसन्धान, अन्वेषण, नवप्रवर्तनके साथे उत्पादन पूर्वसे उपभोगसमके शृंखलाहे हेरना हो कलेसे युवावर्गहे आकर्षित करना मार्ग प्रशस्त हुइना रहे । यकर साथे कृषि ओ खाद्य प्रणालीके आर्थिक, सामाजिक, वातावरणीय, राजनीतिक, ओ प्राविधिक पक्षहे शासकीय पद्धतिके अभिन्न पाटो मानके नीति तथा कार्यक्रम उन्मुख करे सेकेपरना रहे, विडम्बना ओइसिन हुइ सेकल नैहो । सब विषयगत मन्त्रालय ओ तहगत सरकारबिच अर्थपूर्ण समन्वय ओ सहकार्य हुइ नैसेक्ना ना उत्पादकसे फाइदा पाइ सेक्ले बटैं, ना टे उपभोक्ता स्वस्थ ओ ताजा उपज सहज तरिकासे पाइ सेक्ले बटैं । यिहिनसे मूल्य अभिवृद्धिके प्रयास (जस्टे प्रशोधन, प्याकेजिङ, लेबलिङ, भण्डारण, विविधीकरण, बजारीकरण) मे प्रविधि तथा यान्त्रीकीकरणमार्फत ऊर्जाके खपत करे सेकल युवा तथा स्थानीयहे रोजगारी डेनाके साथे उत्पादन चक्रके सब सरोकारवालाबिचके अन्तरसम्बन्धहे स्थापित करे सेक्ना पक्षहे समोटे सेकल नैहो ।

संवैधानिक व्यवस्था ओ स्थानीयकरण

संविधानके अनुसूची–८ से स्थानीय सरकारहे कृषि तथा खाद्य ओ पोषण सुरक्षाके जिम्मा डेहल बा । यकर लाग भूमि व्यवस्थापन, सहकारी, स्थानीय बजार, सिँचाइ, जैसिन महत्वपूर्ण कामके जिम्मेवारी डेलेसे फेन स्थानीय स्तरमे आवश्यक प्राविधिक जनशक्ति ओ स्रोत विनियोजन करे सेकल नैहो । अइसिके स्रोत, क्षमता ओ दक्षता नैहोके संविधानके मर्म अनुरूप काम हुइ सेकल नैहो । यिहिनसे नेपालके सन् २०२६ के नोभेम्बरसे मध्यम आय होके मुलुकके सूचीमे स्तरोन्नति होके प्राप्त करे सेक्ना अवसरके खोजी करना ओत्रे सहज हुइना नैडेखाइठ । संघीयतामे आधारित कृषि तथा खाद्य प्रणाली विकास करेक लाग चुनौतीके रूपमे रहल औरे पक्ष कलेक तथ्यमे आधारित नीतिगत व्यवस्था हुइ नैसेक्ना ।

विपत् ओ आकस्मिकतामैत्री प्रावधान

नेपाल जलवायुके हिसाबसे जोखिमयुक्त क्षेत्रमे परठ । यिहे वर्षाहे आधार मन्ना हो कलेसे अन्न भण्डार मानल मधेश प्रदेशमे धान लगैना आवश्यक सिँचाइ नैपुगल कारण किसानमे नैराश्यता छाइल बा । यकर लाग आवश्यक दूरगामी प्रभाव परना चुरे संरक्षणाके कार्यक्रम अभिन प्रभावकारी बने सेकल नैहो ओ मधेश मरुभूमीकरण हुइटि बा । सन् १९७७ से २०१८ समके एक अध्ययनसे यी अवधिमे नेपालके ४४ प्रतिशतसे ढेर क्षेत्रमे अति खडेरी हुइल देखाइल बा । अस्टेक बर्सेनि अइना बाढपहिरो, खडेरी, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, खण्डवृष्टि, असिनासे पुगैना क्षतिके टे लेखाजोखा नैहो ।

आबके डगर

कृषि ओ खाद्य प्रणालीके खाकामे प्रस्टताके साथ युवाके संलग्नता बह्राइक लाग स्थानीयकरण करना प्रक्रियाहे सबलीकरण करना अत्यावश्यक बा । यकर लाग विषयगत ओ संघीयता अनुरूप तिनु तहके सरकारबिच समन्वय, साझेदारी ओ सहकार्य करना अत्यावश्यक बा । अन्वेषण, नवप्रवर्तन, अनुसन्धान, शिक्षा ओ प्रसारके त्रिकोणाहे विकास करटि टमान सरोकारवालाके संलग्नता बह्रटि उत्तरदायी प्रणाली स्थापना करे परी ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

लगाइल धान...

शुक्लाफाँटा नगरपालिकाके कृषि शााखा प्रमुख करनसिंह बुढाऐर कृषकसे धान लगाइलपाछे पानी परे छोरल ओरसे उँच स्थानमे धान सुखे लागल बटैलैं । समयमे पानी नैपरके धानमे गबारो फेन देखाइ लागल उहाँ बटैलैं । नहरके सिँचाइ सुविधा नैपुगलमे क्षेत्रमे किसानसे धान सुखल दुःखेसो करले बटैं कलेसे नहर पुगल क्षेत्रमे समेत नहरके पानी लगैना पालो नैपुगल कटि धान उत्पादन घट्नमे चिन्ता करले बटैं ।

यीचो धान खेतीके लाग आवश्यक परना वर्षा नैहोके जिल्लाके टमान क्षेत्रमे धान सुखल कृषि प्राविधिक बटैले बटैं ।

कुछ दिनसे कञ्चनपुरमे पर्याप्त वर्षा नैहोके महाकाली बेसिन कार्यालयके प्रमुख सञ्जयकुमार शाह बटैलैं । उहाँक अनुसार आगामी अँटवारसम कञ्चनपुरमे वर्षा नैहुइना डेखाइल बा । सोम्मारसे भर कुछ वर्षा हुइना अनुमान करल उहाँ बटैलैं ।

कञ्चनपुरमे कुल खेतीयोग्य जमिन ५९ हजार ६०२ हेक्टर रहल बा । जिल्लामे ४८ हजार ४९६ हेक्टरमे धान खेती हुइटि आइल बा । जिल्लमे झन्डे १० हजार हेक्टरमे सिँचाइ सुविधा नैपुगल कृषि ज्ञान केन्द्र महेन्द्रनगर कञ्चनपुरके सूचना अधिकारी धर्मबहादुर साउँद बटैलैं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय
धनगढी, कैलाली

"लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहारः समृद्धिके आधार"

तराई पहाड जोरना भिमदत्त राजमार्गके अवस्था जोखिमपूर्ण

डडेल्धुरा, ३ सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेशके सात पहाडी ओ दुई तराईके जिल्ला जोरना एक किल राजमार्ग भिमदत्त राजमार्गके हाल अभिन बेहाल बा । राजमार्गके मर्मतके लाग ठेक्का सम्झौता हुइलेसे फेन काम पूरा नैहोके करिब २० किलोमिटरके यात्रा सास्तिपूर्ण बा । मालसामान ओ सवारीके साधन आउजाउमे दुर्घटनाके जोखिम उच्च बा ।

सडक मर्मतके काम सुस्त होके सवारी आवतजावत जोखिमपूर्ण बनल बा कलेसे सर्वसाधारणसे दैनिक सास्ती खेप्टि आइल बा । भिमदत्त राजमार्गअन्तर्गत डडेल्धुराके मेलखर्क–साहुँखर्क, हगुल्टे लेक ओ कैलालीके बुढीतोला क्षेत्रमे फुटल सडक कोरके छोरल बा । बर्खाके यी समयमे सडक कोरके छोरना भारी खोल्टा बनल बा । यी क्षेत्रमे सडक हिलाम्मे होके गाडी ओहोर दोहोर करना समस्या हुइना करल बा ।

भारी गाडीसे छोट गाडी सञ्चालन करना एकडम कठिन रहल हाइस चालक हरि साउँद गुनासो करलैं । अप्ठ्यारो सबहे हुइल बा । खोल्टाखुल्टी ओ हिलाके कारण यी क्षेत्रमे दुई घण्टासम ढिला हुइना करल बा । गाडी हिलामे फसठ । उहाँ कलैं, 'हमार छोट गाडीके टरे इन्जिन रहल भाग लरठ ओ बिगरके खर्च बह्रल बा ।'

निर्माण कम्पनी ग्रावेलसमेत नैडारलपाछे सडक हिलाम्मे बनल बा । सडकमे पानी जमके खोल्टाखुल्टी थप गहिर हुइटा । सवारी चालक करन दियालके अनुसार बर्खामे यी सडक खण्ड होके आउजाउ करना सवारी साधन जोखिममे परना हो । कुछ ठाउँमे गाडी फस्न ओ बिग्रना समस्या हुइल बा ।

सवारी चालक रमेश अवस्थी दुखेसो पोख्लैं, 'सडक मर्मत कटि कोरगिल मने ग्राबेल नैडारल । अब्बे और हिलाम्मे बा । यात्रु कष्टकर यात्रा करे परना बाध्यता बा ।'

सडक डिभिजन कार्यालय कुलपाते डोटीअन्तर्गत परना यी सडक खण्डके मर्मत दुई चो टेन्डर हुइल रहे । मने निर्माण कम्पनीसे समयमे काम सम्पन्न करे नैसेक्ना सडकके बेहाल हुइल हो । राजमार्ग समयमे मर्मत हुइ नैसेक्ना समस्या हुइल गुनासोपाछे सडक डिभिजन कार्यालयसे अनुगमन कैके ग्राबेल डारे लगाइल सडक डिभिजन कार्यालय कुलपातेके कार्यालय प्रमुख रमेश भट्टराई जानकारी डेलैं । मने सडकके अवस्था जस्के टस बा । वर्षाके कारण ग्राबेल हिलोमे परिणत हुइल बा ।

उहाँक अनुसार चैत महिनासे लगातार वर्षा हुइल कारण निर्माण कम्पनीसे काम करे नैसेक्ना हो । यी सडकखण्ड डडेल्धुराके सबसे ढेंग स्थान महाभारत पर्वतके करिब दुई हजार मिटरके उचाईमे परठ । यहाँ कात्तिक महिनासे फागुन महिनासम हिमपात हुइठ । चैत महिना लागलपाछे काम करे मिलठ । मने यी वर्ष चैत महिनासे लगातार रूपमे वर्षा हुइल कारण यी सडक खण्ड मर्मत करे नैसेक्ना हो ।

नेपाल–भारत मैत्री रक्तदान कार्यक्रममे ३२ जाने रक्तदान

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३ सावन । धनगढीमे शनिच्चर आयोजित नेपाल–भारत मैत्री रक्तदान कार्यक्रममे ३२ जाने रक्तदान करले बटैं ।

नेपाल–भारत मैत्री संघ जिल्ला कार्य समिति कैलालीके आयोजनामे रक्तदान कार्यक्रम करल रहे । नेपाल–भारत मैत्री संघके केन्द्रीय उपाध्यक्ष एबम सुदुरपश्चिम प्रदेशके अध्यक्ष हरिशंकर ठाकुरके अध्यक्षतामे हुइल रक्तदान कार्यक्रममे टमान स्वयमसेवी रक्तदाताहुक्रे रक्तदान करल उपाध्यक्ष ठाकुर बटैलै ।

रक्तसंचार केन्द्रमे रगतके अभाव हुइल जानकारी पाइलपाछे सुदुरपश्चिम प्रदेशके रक्तदाता सदभावना दुत दीपक उपाध्यायके समन्वयमे रक्तदान कार्यक्रम करल केन्द्रीय उपाध्यक्ष ठाकुर बटैलै ।

ठाकुर मोटर्स प्रालीके बिशेष सहयोगमे महिन्द्रा सोरुमके प्रांगणमे आयोजित रक्तदान कार्यक्रममे नेपाल रेडक्रस सोसाइटी धनगढी ५ नम्बर उपशाखाके सहयोग ओ नेपाल रेडक्रस सोसाइटी प्रादेशिक रक्तसंचार सेवा केन्द्रसे प्राविधिक सहयोग करल रहे ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार
मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय

सुदूरपश्चिम प्रदेश अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण प्रतिष्ठान

पुन्ना, डोटी

दररेट पेश गर्ने बारेको सूचना

प्रथम पटक प्रकाशित मितिः २०८२/०४/०४

यस सुदूरपश्चिम प्रदेश अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण प्रतिष्ठान पुन्ना, डोटीको आ.व. ०८२/०८३ को वार्षिक कार्यक्रम अनुसार यस प्रदेशका विभिन्न जिल्लाहरूमा तालिम, गोष्ठी लगायतका प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिष्ठानको आवश्यकता अनुसार संचालन गर्ने प्रयोजनका लागि सहभागीहरूलाई खाने वस्ने व्यवस्था मिलाउन तथा तालिम हल र तालिम सम्बन्धी अन्य उपकरण समेतको व्यवस्था गर्ने गरी लागत अनुमान बनाउने प्रयोजनका लागि दररेट प्रस्तावनाको ढाँचामा उल्लेखित सेवा सुविधाहरू के कति दररेटमा उपलब्ध गराउन सक्ने, स्पष्ट दररेट सहितको प्रस्ताव कम्तिमा १० वटा सिंगल वेडरुम, ३५ वटा डबल वेड रुम तथा कम्तिमा ५० जना क्षमता भएको २ वटा सभाहल भएको इच्छुक योग्यता पुगेका होटेल व्यावसायीबाट देहायका कागजातहरू सहित रीतपूर्वक सूचना प्रकाशन भएको मिति देखि १५ दिनभित्र तपसिल बमोजिमका कागजात सहित यस प्रतिष्ठानको ठेगानामा विधुतीय प्रणाली मार्फत वा कार्यालय समयभित्र उपस्थित भई दर्ता गर्नका लागि यो सूचना प्रकाशन गरिएको छ । तोकिएको समयभित्र प्राप्त नभएका र रीत नपुगेका निवेदन उपर कुनै कारवाही गरिने छैन ।

तपसिल

१) स्वीकृत ढाँचा अनुसारको आधिकारिक निवेदन,
२) होटेल व्यवसायी फर्म तथा कम्पनी दर्ता तथा नवीकरण प्रमाणपत्रको प्रमाणित प्रतिलिपि,
३) स्थायी लेखा नं. र मूल्य अभिवृद्धि कर दर्ता प्रमाणपत्रको प्रमाणित प्रतिलिपि,
४) आ.व. ०८०/०८१ सम्मको करचुक्ता प्रमाणपत्र,
५) होटेल संचालन सम्वन्धि आवश्यक इजाजतपत्र वा प्रमाणपत्रको प्रमाणित प्रतिलिपि,
६) निवेदनको ढांचा र माग गरिएको दररेट प्रस्तावनाको ढांचा र विवरण वेवसाइटवाट डाउनलोड गरी वा कार्यालयवाट समेत लिन सकिनेछ ।

कार्यकारी निर्देशक
सुदूरपश्चिम प्रदेश अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण प्रतिष्ठान
पुन्ना, डोटी

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

Empowering Futures through Technical Excellence !

CTEVT

Admission Open!

30 Seats Only

Certificate in Medical Lab Technology

Three-Year Diploma Program

Entry Requirement

- Min. 2.0 GPA in SEE or equivalent with grades in compulsory mathematics, science, and English. Or
- TSLC in Medical Laboratory Technology with 68.33%

Career Opportunities

- Hospitals and clinics
- Diagnostic and research laboratories
- Blood banks
- Pharmaceutical and biotech industries
- Self-employment in medical labs
- Government jobs

Further Studies and Career

- Bachelor in Medical Laboratory Technology (BMLT)
- Bachelor of Science in Laboratory Medicine
- Bachelor of Public Health (BPH)
- Bachelor of Pharmacy (BPharm)
- Bachelor of Nursing (BSc Nursing)
- B.Sc. in Microbiology/Biochemistry/Biotechnology

Contact Us

ATTARIYA TECHNICAL COLLEGE

GODAWARI-2, ATTARIYA, KAILALI

091-551286 | 9848412999
9742410357 | 9841672834
attariyatc@gmail.com

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.–१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिंड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिंड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१–५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९